

एलओयू और एलओसी सुवधा की होगी पुनः बहाली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वाणजिय मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति ने राज्यसभा में पेश की गई एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा व्यापार ऋणों के लिये जारी किये जाने वाले लेटर्स ऑफ़ अंडरटेकिंग (LOU) और लेटर्स ऑफ़ क्रेडिट (LOC) को बंद करने का नरिणय पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी के मामले में "बना सोचे-समझे की गई प्रतिक्रिया" थी और इस सुवधा को बहाल कया जाना चाहयि ।

प्रमुख बदि

- समति ने यह वचिर भी व्यक्त कया कि व्यापार और उद्योग का प्रतनिधित्व करने वाले सभी हतिधारकों ने सर्वसम्तसे कहा कि एलओयू और एलओसी सुवधा को बंद करने के परिणामस्वरूप साख की लागत में 2-2.5% की वृद्धि हुई है ।
- समति का मानना है कि आरबीआई, पीएनबी धोखाधड़ी से हतोत्साहति हो गया तथा उसने बना अधिक सोचे और वचिरे एलओयू/एलओसी पर प्रतबिंध लगाने का फैसला जल्दबाज़ी में कर दया ।
- समति के अनुसार, बैंक समेत सभी हतिधारकों का मानना था कि एलओयू और एलओसी वशि्व स्तर पर स्वीकार्य थे और आयातकों के लयि वदिशी मुद्रा के लागत प्रभावी अल्पकालकि उधार के स्रोत के रूप में उनकी प्रभावोत्पादकता "बेजोड" थी ।
- साख की लागत बढ़ने से देश के व्यापार और उद्योग की लागत प्रतसिपर्द्धात्मकता प्रभावति होगी और नौकरयिों पर भी वपिरीत प्रभाव पड़ेगा । नौकरयिों की हाना देश की अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावति करेगी ।
- समति ने कहा कि भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा एलओयू और एलओसी को बंद कयि जाने से पहले इस मामले पर उसे संबंधति सभी हतिधारकों के साथ और अधिक वचिर-वमिर्श करना चाहयि था ।
- समति का मानना है कि उचित सुरक्षा उपायों के साथ एलओयू/एलओसी को जल्द-से-जल्द बहाल कया जाना चाहयि । इसकी बहाली इसलयि भी महत्त्वपूर्ण है क्योकि भारत के आयात की सामग्री इसके कुल नरियात का 20% अधिक है ।
- समति ने इस तथ्य को भी उजागर कया कि धोखाधड़ी के प्रतिक्रियास्वरूप एलओयू और एलओसी को बंद करना बैंकिंग क्षेत्र में रूढ़विद के द्वितीयक प्रभाव की वज़ह बना है ।

एमएसएमई क्षेत्र पर बुरा प्रभाव

- रिपोर्ट में कहा गया है, "बैंक अपने संचालन और ऋण जोखमि के मामलों में अधिक सख्त हो गए हैं ।" इस सतर्कता ने अनजाने में बैंकों को एमएसएमई क्षेत्र की पहुँच से दूर कर दया है ।
- समति इस बात से भी चतिति है कि इस तरह के दृष्टिकोण में बैंकिंग सेवाओं को संभ्रांतवादी बनाने और एमएसएमई इकाइयों के वशिाल समूह को छोड़कर कुछ बड़े नगिमों के अधीनस्थ होने का खतरा है ।